श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 16, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शनिवार, 22 अगस्त, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

तेलंगानाः पावर स्टेशन में लगी भीषण आग, दो की मौत

सहायक इंजीनियर का शव बरामद, रेस्क्यू जारी

पावर प्लांट में लगी भीषण आग का दृश्य

श्रीशैलम, एएनआइ। तेलंगाना में श्रीशैलम में लेफ्ट बैंक पॉवर हाउस में गुरुवार देर रात आग लग गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। एतमाकुर फायर स्टेशन, कुरनूल से दमकल की गाड़ी फिलहाल तैनात है। दस लोगों को बचाया गया, जिनमें से 6 का श्रीशैलम के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि अभी भी नौ लोगों के फंसे हो सकते हैं। नागरकोर्नूल कलेक्टर ने जानकारी देते हुए कहा कि सहायक अभियंता (इंजीनियर) का शव बरामद किया गया है। वह भी अंदर फंसे हुए थे।

पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम आग लगने वाली जगह पर जाने के कोशिश कर रहे हैं कि आखिर आग कैसे लगी। जिस जगह आग लगी वह जगह जमीन के नीचे है। हालांकि धुंए की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दमकल को मुश्किल हो रही है। दुर्घटना में फंसे नौ लोगों को बचाने के लिए बचाव के प्रयास जारी हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी और देखते ही देखते घने धुएं ने जगह को घेर लिया। घटनास्थल पर मौजूद 17 व्यक्तियों में से 8 व्यक्ति सुरंग के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। फंसे लोगों में छह टीएस गेनको कर्मचारी और तीन निजी कंपनी के कर्मचारी शामिल हैं। दमकलकर्मियों की टीम एक डिप्टी इंजीनियर और सहायक इंजीनियरों सहित फंसे हुए लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है। तेलंगाना के मंत्री जगदीश रेड्डी और टीएस गेनको सीएमडी प्रभाकर राव घटनास्थल पर पहुंच गए और बचाव के प्रयासों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। रेड्डी ने कहा कि पावर स्टेशन की पहली इकाई में दुर्घटना हुई और चार पैनल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि बचाव कर्मी घने धुएं के कारण सुरंग में प्रवेश करने में असमर्थ हो रहे हैं। रेस्क्यू कर्मियों को बचाव कार्यों का समर्थन करने के लिए सिंगरेनी कोलियरी से लाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जब माल व दुकानें खुली तो अब मंदिर पर पाबंदी क्यों

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जहां पैसे की बात है खतरा लेने को तैयार हैं लेकिन जब धार्मिक स्थल की बात आती है तो कहते हैं कि कोरोना है

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। अब जबकि लाकडाउन लगभग पूरी तरह खत्म हो गया है तो कोर्ट का मानना है कि धार्मिक स्थलों को लेकर भी एहतियात के साथ निर्णय लेना चाहिए। कोर्ट ने जैन धर्मावलंबियों की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए न सिर्फ उन्हें पर्यूशन पर्व मनाने की इजाजत दी बल्कि महाराष्ट्र सरकार की रोक पर सवाल भी खड़ा किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 'आर्थिक हितों से जुड़ी सारी गतिविधियों को महाराष्ट्र मे इजाजत है। जहां बात पैसे की आती है खतरा लेने को तैयार हैं लेकिन जब धार्मिक स्थल की बात आती है तो कहते हैं कि कोरोना है, ऐसा नहीं कर सकते।' ये टिप्पणियां शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने पा?र्श्वतिलक श्वेतांबर मूर्ति पूजक जैन ट्रस्ट की याचिका पर सुनवाई के दौरान कीं।

कोर्ट ने मुंबई के तीन जैन मंदिरों दादर, बाईकुला और चैम्बूर में ऐतिहाती उपायों और नियमों के साथ पर्रयूशन पर्व मनाने की इजाजत दे दी है। हालांकि कोर्ट ने साफ किया कि उनका यह आदेश सिर्फ इन्हीं तीन मंदिरों के बारे में हैं इसे अन्य सभी मंदिरों के बारे में लागू न माना जाए। गणेश चतुर्थी और अन्य उत्सवों के बारे में राज्य सरकार हर केस के मुताबिक फैसला लेगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि आने वाला गणपति उत्सव भिन्न है उसमें भीड़ बेकाबू हो जाती है। जबकि यहां स्थिति अलग है।

कड़ाई से किया जाएगा नियमों का पालन

याचिकाकर्ता ट्रस्ट की ओर से पेश वकील दुष्यंत दवे ने पर्व पर पांच पांच के समूह में एक दिन मे कुल 250 लोगों के मंदिर जाने की इजाजत मांगी। उनका कहना था कि मंदिर जाने में सारे नियमों और ऐतिहात का कड़ाई से पालन किया जाएगा। दूसरी तरफ महाराष्ट्र की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने मांग का विरोध करते हुए कहा कि राज्य में कोरोना की स्थिति खराब है। अगर एक को इजाजत दी गई तो सभी मांग करेंगे। अभी गणपति उत्सव आने वाला है। पीठ ने कहा कि भीड़ इकट्ठा करना गलत है। लेकिन अगर एक समय मे सिर्फ पांच लोग जाएं तो क्या खराबी है। अगर ऐसा होता है तो जैन समुदाय के अलावा भी इजाजत दी जा सकती है। जैन ट्रस्ट ने बाम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट मे चुनौती दी थी जिसमे हाईकोर्ट ने कोरोना के चलते धार्मिक स्थल बंद रखने के राज्य सरकार के फैसले में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया था।

पावर स्टेशन हादसे में मारे गए इंजीनियर के परिवार को 50 लाख रुपये देगी तेलंगाना सरकार

घायलों के लिए भी की गई घोषणा

हैदराबाद, एएनआइ। तेलंगाना में श्रीशैलम में लेफ्ट बैंक पावर हाउस में आग लगने से हुए हादसे को लेकर मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने शोक व्यक्त किया है और पीड़ितों की मदद की घोषणा की है। उन्होंने हादसे में मारे गए डिप्टी इंजीनियर के परिवार को 50 लाख रुपये देने का एलान किया है।

सीएम के चंद्रशेखर राव ने श्रीशैलम आग हादसे में मारे गए डेप्युटी इंजीनियर श्रीनिवास गौड़ के परिवार के लिए 50 लाख की मदद राशि की घोषणा की है। बाकी परिवारों को भी 25 लाख की मदद दी जाएगी। सभी परिवार से एक सदस्य को नौकरी मिलेगी। इस हादस में 9 लोगों की मौत हो गई थी।

बता दें कि गुरुवार रात को यहां लेफ्ट बैंक पावर हाउस के प्लांट में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया है, जिसमें सहायक इंजीनियर की मृत्यु हो गई है और 10 लोगों को बचा लिया गया है।

घटनास्थल पर जारी राहत कार्यों की भी मुख्यमंत्री ने समीक्षा की और उन्होंने तेलंगाना के ऊर्जा मंत्री जगदेश्वर रेड्डी से घटना से जुड़ा हर अपडेट उन्हें देने को कहा है। तेलंगाना मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, ₹मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने घटना पर गहरा दुख जताया है। वह नियमित रूप से घटना के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने मंत्री जगदेश्वर रेड्डी और ट्रांसको, गेनको के सीएमडी डी प्रभाकर राव से बात की है और वहां हो रहे राहत कार्यों पर बात की।₹

बता दें कि आंध्र प्रदेश की सीमा पर कृष्णा नदी पर स्थित इस भूमिगत पॉवर प्लांट में गुरवार की देर रात भीषण आग लग गई थी। नगरकुरनूल के जिला कलेक्टर एल. शरमन ने कहा कि बचाव दल ने छह लोगों के शव निकाले हैं। शरमन ने कहा कि मारे गए दो लोगों की पहचान सहायक इंजीनियर सुंदर नायक और मोहन कुमार के रूप में हुई है। बाकी लोगों के शव निकालने की कोशिश की जा रही है।

आतंकियों ने जारी किया बारामुला हमले का वीडियो

श्रीनगर, जेएनएन। उत्तरी कश्मीर में सिर्फ तीन दिनों में ही पांच प्रमुख आतंकी कमांडर मारे गए हैं। उनकी मौत से हताश आतंकी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने अपने कैडर का मनोबल बनाए रखने के लिए करीरी हमले का वीडियो जारी किया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि यह वीडियो इस बात की पुष्टि करता है कि आतंकी इस समय हताश हैं। उनका मनोबल गिरा हुआ है। वह आतंकियों का महिमामंडन कर कश्मीर के युवाओं को आतंकी बनाने की साजिश को आगे बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन आतंकी किसी समाज के हीरो नहीं बन सकते। कश्मीर में आतंकवाद इस समय मरणासन्न है। जल्द ही यह पूरी तरह खत्म हो जाएगा। बता दें कि सोमवार को बारामुला के करीरी में लश्कर कमांडर सज्जाद हैदर उर्फ टिपू उर्फ तैमूर ने आतंकी इनायतुल्ला मीर और एक अन्य पाकिस्तानी आतंकी उस्मान के साथ मिलकर सुरक्षाबलों की नाका पार्टी पर हमला किया था। हमले में जम्मू-कश्मीर पुलिस का एक एसपीओ और दो सीआरपीएफ कर्मी शहीद हुए थे।

दिव्यांग और 80 साल से अधिक उम्र के लोग कर सकेंगे पोस्टल बैलट का इस्तेमाल

नई दिल्ली, एएनआइ। निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव एवं निकट भविष्य में होने वाले अन्य उपचुनाओं को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें पोस्टल बैलेट सुविधा का विकल्प दिव्यांग मतदाताओं और 80 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए बढ़ा दिया गया है। यही नहीं अनिवार्य सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों एवं कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए भी यह सुविधा उपलब्ध होगी।

जारी गाइडलाइन में यह भी कहा गया है कि चुनाव संबंधी सभी कामकाज के दौरान कोरोना से बचाव के उपायों को अपनाना होगा। चुनावी गतिविधि के दौरान हर व्यक्ति के लिए मास्क पहनना अनिवार्य होगा। मतदान केंद्रों में आने वाले लोगों की थर्मल स्कैनिंग होगी। चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने वाले लोगों के लिए सैनिटाइजर और साबुन उपलब्ध कराए जाएंगे और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना होगा।

नई गाइडलाइंस के मुताबिक अब उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से नॉमिनेशन करना होगा। उम्मीदवारों को सिक्योरिटी मनी और चुनावी घोषणा पत्र भी ऑनलाइन जमा करना होगा। मतदाताओं को कतार में इंतजार ना करना पड़े इसलिए उन?हें पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर टोकन दिया जाएगा। सोशल डिस्टेंशिंग का पालन करने के लिए जमीन पर निशान बनाए जाएंगे। दो मतदाताओं के बीच छह फीट की दूरी रखी जाएगी। महिला और पुरुष मतादाताओं के लिए अलग वेटिंग एरिया भी बनाए जाएंगे। मतदाताओं को ईवीएम पर मतदान करने के लिए डिस्पोजेबल ग्लोब्स मुहैया कराए जाएंगे। मतदान कराने वाले अधिकारियों को पीपीई किट भी उपलब्ध कराए जाएंगे। क्वारंटाइन किए गए कोरोना मरीजों को सबसे आखिरी घंटे में मतदान करने की इजाजत होगी। कंटेनमेंट जोनों में रहने वालों के लिए अलग गाइडलाइन के आधार पर चुनावी प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। बूथों की संख्या बढ़ाई जाएगी। एक बूथ पर अधिकतम 1000 मतदाता होंगे। पहले यह सीमा 1500 मतदाताओं की थी। कोरोना काल में होने वाले इन चुनावों के प्रचार के लिए भी कई नियम बनाए गए हैं। इसमें उम्मीदवार के साथ अधिकतम पांच व्यक्तियों (सुरक्षाकर्मियों को छोड़कर) के साथ घर-घर प्रचार कर सकते हैं। रोड शो के दौरान वाहनों का काफिला 5-5 वाहनों में बंटा होगा। रैलियों की मंजूरी के लिए अलग से प्रावधान तय किए गए हैं। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को कई निर्देश दिए गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ही जनसभाओं के लिए जगह निश्चित करेंगे। इन जगहों पर एंट्री और एग्जिट पॉइंट अलग अलग बनें होंगे।

एक विश्वविद्यालय में नहीं होंगे 300 से ज्यादा कॉलेज

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली। उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वायत्तता देने की मुहिम अब और तेज होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इसे लेकर काम भी शुरू कर दिया है। संबद्ध कॉलेजों को इस मुहिम में फिलहाल सबसे ऊपर रखा गया है। जिन्हें एक चरणबद्ध तरीके से स्वायत्तता दी जाएगी। पहले चरण में विश्वविद्यालयों से कॉलेजों की संबद्धता को धीरे-धीरे खत्म किया जाएगा। इसके तहत अब विश्वविद्यालय से सिर्फ तीन सौ कॉलेज ही संबद्ध हो सकेंगे। मौजूदा समय में बड़ी संख्या में ऐसे भी विश्वविद्यालय हैं जिनसे करीब सात सौ कॉलेज संबद्ध हैं। देश में फिलहाल 40 हजार से ज्यादा कॉलेज हैं। यूजीसी ने यह पहल नई शिक्षा नीति में विश्वविद्यालयों से कॉलेजों की संबद्धता पर उठाए गए सवालों के बाद की है। नीति में अगले 15 साल में संबद्धता की पूरी प्रणाली को खत्म करने का प्रस्ताव किया गया है। हालांकि इसे एक चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का सुझाव दिया गया है। इसके तहत विश्वविद्यालयों को जबावदेही देने का भी प्रस्ताव किया गया है ताकि वे संबद्ध कॉलेजों को अकादमिक, प्रशासनिक, पाठयक्रम संबंधी मामलों में न्यूनतम मापदंड, वित्तीय मजबूती, शिक्षण और मूल्यांकन आदि मापदंड पर तैयार कर सकें। कॉलेजों के लिए इन मापदंडों को पूरा करना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि स्वायत्तता के लिए ये आवश्यक हैं। मौजूदा समय में किसी भी संस्थान को स्वायत्तता उसकी राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की रैंकिंग के आधार पर प्रदान की जाती है। यह रैंकिंग संस्थान की अकादमिक, प्रशासनिक, वित्तीय मजबूती और शिक्षण आदि क्षमता के आकलन के आधार पर प्रदान की जाती है।

स्वायत्तता का अर्थ कुछ भी करने की आजादी नहीं

स्वायत्तता को लेकर तेज हुई मुहिम में मंत्रालय ने यह भी साफ किया है कि इस स्वायत्तता का मतलब कुछ भी करने की स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि नियमों के दायरे में रहकर ही काम करना होगा। मंत्रालय के मुताबिक, पिछले कुछ साल में करीब आठ हजार कॉलेजों को स्वायत्तता दी गई है। बाकी कॉलेजों को भी स्वायत्तता देने के लिए वह चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। इसमें पहले विश्वविद्यालयों से कॉलेजों की संबद्धता कम की जाएगी।

अगले 24 घंटे के दौरान इन 4 राज्यों में बाढ़ का खतरा, अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एएनआइ। देशभर में भारी बारिश से हाल बेहाल है और ऐसे में प्रशासन के दावों पर भी सवाल है। हर बारिश में सड़कें नदी की तरह बहने लगती है। निकासी का कोई प्रबल इंतजाम है नहीं और फिर परेशानी झेलने को आम आदमी आगे खड़ा रहता है। बता दें कि देश में आई कई राज्यों की बाढ़ में काफी लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। हजारों लोगों की कई साल की कमाई बाढ़ ने लूट ली। हालांकि, कुदरत भी पीछे नहीं है। केंद्रीय जल आयोग ने अगले 24 घंटे में देश के कुछ हिस्सों के लिए बाढ़ को लेकर पूवार्नुमान जारी किया है। केंद्रीय जल आयोग ने बाढ़ का पूवार्नुमान जारी करते हुए बताया कि पूर्वी मध्य प्रदेश के इलाकों और पूर्वी राजस्थान और गुजरात सबडिवीजन के आसपास के क्षेत्रों पर अगले 24 घंटें के दौरान बाढ़ का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इसके अलावा कोंकण और गोवा सबडिवीजन के कुछ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी अगले 24 घंटों के दौरान अलर्ट रहने को कहा है, यहां भी बाढ़ का खतरा लगातार मंडरा रहा है।

आयोग ने उत्तर आंतरिक कर्नाटक के कोंकण और बेलगाम जिले के रत्नागिरी, उत्तरी गोवा, दक्षिण गोवा जिलों के कुछ जल क्षेत्रों और पड़ोस के क्षेत्र पर अगले 6 घंटे के दौरान बाढ़ का खतरा बताया है। आयोग द्वारा गूगल की मदद से समझाया गया है और माना है कि यह समय से मिलती सूचनाएं लोगों को सहायता दे सकती हैं। इससे लोगों को अपनी, परिवार और मित्रों की सुरक्षा को लेकर सही निर्णय लेने में मदद मिलती है।

मौसम विभाग ने शुक्रवार और शनिवार के लिए कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, गुजरात, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और असम के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

प्रशांत भूषण के खिलाफ कार्यवाही के लाइव प्रसारण की मांग, सुप्रीम कोर्ट में है अवमानना का मामला

नई दिल्ली, एएनआइ। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को दाखिल एक याचिका में अधिवक्ता प्रशांत भूषण के खिलाफ चल रहे मामले की कार्यवाही के लाइव प्रसारण (स्ट्रीमिंग) की मांग की गई है। वकील अमृतपाल सिंह खालसा की याचिका के अनुसार, 'हालिया अवमानना मामला सुप्रीम कोर्ट के इतिहास के सबसे संवेदनशील मामलों में से एक है। प्रिंट व डिजिटल मीडिया प्रशांत भूषण मामले को जिस तरीके से रख रहा है, वह उनके व उनके पक्ष के महिमामंडन जैसा है। इससे संस्थान की प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है।'

याचिका में आरोप लगाया गया है कि एक लॉबी ने पूर्व में मुख्य न्यायाधीशों को निशाना बनाया था। प्रशांत भूषण उस लॉबी के प्रमुख कर्ताधताओं में से हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने प्रशांत भूषण के खिलाफ चल रहे अदालत की आपराधिक अवमानना मामले में आदेश सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने जून में सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा व पूर्व मुख्य न्यायाधीशों के खिलाफ किए गए भूषण के दो ट्वीट पर स्वतः संज्ञान लिया था। इससे पहले अदालत पूर्व मुख्य न्यायाधीशों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने से संबंधित अदालत की अवमानना मामलों में भूषण को दोषी ठहरा चुकी है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में वकील प्रशांत भूषण के खिलाफ कोर्ट की अवमानना केस में हुई सुनवाई में उन्हें दोषी ठहराने के बाद उनसे बिना शर्त माफी मांगने को कहा गया है। कोर्ट की ओर से यह भी कहा गया है कि अगर प्रशांत भूषण ऐसा नहीं करते हैं, उन्हें सजा सुनाई जाएगी। अवमानना के इस मामले में उन्हें 24 अगस्त तक अपने बयान पर पुनर्विचार कर माफी मांगने को कहा गया है। वही, प्रशांत भूषण ने कोर्ट में यह जाहिर कर दिया कि उनके इरादे माफी मांगने के नहीं हैं, हालांकि उन्होंने इस मुद्दे पर पुनर्विचार की बात कही है। वहीं, प्रशांत भूषण ने कोर्ट में दाखिल किए गए अपने बयान में कहा- 'मेरे ट्वीट एक नागरिक के रूप में मेरे कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए थे। ये अवमानना के दायरे से बाहर हैं।...मेरे ट्वीट सद्भावनापूर्ण विश्वास के साथ थे।

असम में बाढ़ से 113 लोगों की मौत, 56 लाख से अधिक लोग प्रभावित

दिसपुर एएनआइ। असम में बाढ़ के कारण 30 जिलों में 56.9 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने शुक्रवार को अपनी दैनिक बाढ़ रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। एएसडीएमए ने कहा कि बाढ़ के कारण असम के 30 जिलों में 56,91,694 व्यक्ति प्रभावित हुए हैं। साथ ही बताया कि बाढ़ के कारण 113 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। राज्य में बाढ़ पीड़ितों के लिए कुल 626 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जिसमें 1,56,874 पीड़ित शरण ले रहे हैं जबकि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (ठञ्रफ्र) को असम के आठ स्थानों पर तैनात किया गया है, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल राज्य में 40 विभिन्न स्थानों पर तैनात है।

एएसडीएमए, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सर्कल ऑफिस, सिविल डिफेंस, आईडब्ल्यूटी, और स्थानीय लोगों की बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार बचाव कार्य में शामिल हैं। सहायता के लिए लगभग 384 नावें तैनात की गई हैं। राज्य पिछले कई हफ्तों से बाढ़ की स्थिति से जूझ रहा है। बता दें कि देश के कई राज्यों में बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। इस वजह से कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। बिहार से बाढ़ में हालात खराब हैं। यहां अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि राज्य में 16 जिले बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं।

बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालती एनडीआरएफ टीम

छत्तीसगढ़ में भी बारिश से बुरा हाल है। शुक्रवार को एक अधिकारी ने कहा कि लगातार बारिश के कारण लोगों के सामान्य जीवन को बाधित कर दिया गया है क्योंकि नदियों के बह जाने से छत्तीसगढ़ के सुकमा में बचाव अभियान चल रहा है। सुकमा के पुलिस उपमण्डल अधिकारी प्रतीक चतुर्वेदी ने कहा कि पिछले आठ से नौ दिनों से लगातार भारी बारिश के कारण यहां बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। बचाव व्यवस्था को अंजाम देने के लिए सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हैं और सेना स्टैंडबाय पर है। अगर पानी का स्तर और बढ़ जाता है तो हम लोगों को शरण में भेज देंगे। प्रभावित लोगों को ग्राम पंचायत द्वारा भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

ग्रामीण अंचल

संक्षेप समाचार

समाज कों संस्कारवान बनाने में जुटी समाजसेविका सुमन पटेल

करमा । समाज निरन्तर तीव्र गति से बढ़ रहें अपराध आने वालें कल के लिए बहुत बड़ी चुनौती साबित कर सकते हैं इसलिए सभी अभिवावकों का यह नैतिक कर्तव्य बनता हैं कि बच्चों कों उचित परवरिश के साथ उच्च कोटि का संस्कार भी प्रदान करें ताकि आने कल में एक सभ्य एवम संस्कारवान समाज की स्थापना की जा सकें उक्त बातें पचदेवरा भरहा स्थित पी.बी.आर. पैरामेडिकल श्री परम हंस इंस्टीट्यूट की प्रधानाचार्या श्री मती सुमन पटेल नें करमा सहित आसपास के कई गाँवों में जनसंपर्क कर लोगों कों संस्कारवान समाज की विशेषता में व्यक्त की इसके साथ ही वृक्षारोपण, जल संरक्षण आदि विषयों पर भी उनके द्वारा ग्रामीणों कों जागरुक किया गया ।

सुहागिन महिलाओं ने निर्जला व्रत रख मांगा अखंड सौभाग्य

महिलाओं ने पति की दीर्घायु के लिए 24 घंटे का निर्जला व्रत रखा

शंकरगढ़। हरतालिका तीज का पर्व क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव, माता पार्वती एवं भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना कर पति के दीघार्यु एवं घर परिवार में सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। वहीं कन्याओं ने भी व्रत रखकर पूजा अर्चना की। कोरोना महामारी काल में भी सुहागिन महिलाओं ने नियमों का पालन करते हुए अखंड सौभाग्यवती का पर्व हरतालिका तीज श्रद्धा पूर्वक एवं हर्षोउल्लास से मनाया। महिलाओं ने पति की दीघार्यु के लिए 24 घंटे का निर्जला व्रत रखा। इस अवसर पर कुंवारी युवतियों ने भी व्रत रखकर अच्छे वर की कामना की। शंकरगढ़ के पुरानी बाजार, सदर बाजार, लाइनपार, सिंधी टोला, शिवराजपुर, नारीबारी आदि इलाकों में शाम से ही सुहागिन महिलाओं ने श्रृंगार करके विधि विधान के साथ शिव-पार्वती का पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर महिलाओं ने कई तरह की डिजाइन की मेहंदी लगाई, गीत गाया और मां पार्वती व महादेव की पूजन अर्चन कर कहानी सुनी।

हरितालिका तीज पर्व पर पूजन अर्चन करतीं व्रती महिलाएं

रोटरी इलाहाबाद ईस्ट ने स्वरूपरानी अस्पताल को डेड बॉडी चिलर दिया

स्वरूपरानी अस्पताल को डेड बॉडी चिलर देते हुए

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद ईस्ट ने शुक्रवार को मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रो. एस.पी सिंह एवं डॉ. दिलीप चैरसिया को मृतकों के पार्थिव शरीर रखने हेतु डेड बॉडी चिलर डोनेट किया। इस अवसर पर रोटरी के सदस्य एवं डिस्ट्रक्ट कोऑर्डिनेटर आपदा प्रबंधन अजय शर्मा ने कहा कि प्रयागराज में कोरोना व अन्य बीमारियों से मृत होने वाले मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर स्वरूपरानी अस्पताल में बॉडी चिलर की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उन्होंने कहा कि संस्था समाज एवं मानवता के निमित्त सदैव कुछ न कुछ करती रही है। जिसके अंतर्गत आज स्वरूपरानी अस्पताल को डेड बॉडी चिलर समाजसेवी संस्था, रोटरी के सदस्य एवं डिस्ट्रक्ट कोऑर्डिनेटर आपदा प्रबंधन अजय शर्मा की अगुवाई में इस पुनीत कार्य को सम्पन्न किया गया। ज्ञात हो कि पूर्व में भी डेड बॉडी चिलर क्लब द्वारा हाइकोर्ट हनुमान मंदिर, रोटरी बाल उद्यान कल्याणी देवी एवं रोटरी पार्क धोबी घाट पर डोनेट किया गया है। जो प्रयागवासियों को निःशुल्क उपलब्ध किया जाता रहा है। कोरोना काल में अपनी सामाजिक दायित्वों के निर्वहन एवं पुनीत कार्य के लिए उपस्थित सभी लोगों ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष विकास पाल, आर.के अग्रवाल, आगामी अध्यक्ष ऋषि अग्रवाल, लिटरेसी चेयरमैन अमित त्रिपाठी एवं मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर्स एवं प्रोफेसर उपस्थित रहे।

पच्चीस हजार का इनामी गिरफ्तार तमंचा व कारतूस बरामद

प्रयागराज। सोरांव थाने की पुलिस ने सरांय गोपाल भदरी रेलवे क्रासिंग के समीप शुक्रवार दोपहर पच्चीस हजार के इनामी अपराधी को गिरफतार किया। गिरफ्तार आरोपित के कब्जे से तमंचा और दो कारतूस बरामद किया है। पकड़ा गया आरोपित प्रतापगढ़ के शहर कोतवाली क्षेत्र के नरवा मोहल्ला निवासी आशिक अली पुत्र मोहम्मद शरीफ हैं। इसके खिलाफ प्रतापगढ़ के कुंडा, शहर कोतवाली, बस्ती समेत अन्य जिलों में मुकदमे दर्ज हैं। लूट, हत्या, चोरी, समेत कुल नौ मुकदमे पंजीकृत हैं। यह जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक गंगा पार नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उक्त अपराधी वर्ष 2015 से फरार था। इसकी गिरफ्तारी के लिए पच्चीस हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। शुक्रवार को गिरफ्तारी के बाद इसे जेल भेज दिया गया।

गबन व षड्यंत्र के आरोपी बैंक प्रबंधक की जमानत मंजूर

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूनियन बैंक आफ इंडिया विष्णुपुर भदोही शाखा के प्रबंधक मातांबर पांडेय की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। इन पर सह अभियुक्त के साथ कोटक महेन्द्रा बैंक सिविल लाइन्स प्रयागराज के 9 करोड़ 46 लाख 27 हजार 5 सौ रुपए के गबन व षडयंत्र का आरोप है।

कोर्ट ने कहा है कि याची साक्ष्यों से छेड़छाड़ नहीं करेगा तथा गवाहों को प्रभावित भी नहीं करेगा। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया है कि वह बुलाये जाने पर हाजिर भी होंगे। इन शर्तों के उल्लंघन की दशा में उनकी जमानत निरस्त करायी जा सकती है। यह आदेश न्यायमूर्ति बच्चू लाल ने दिया है। अर्जी

कोटक महेन्द्रा बैंक से नौ करोड़ से अधिक के गबन का आरोप

पर अधिवक्ता बी.एन मिश्र, आर.बी मिश्र व सचिन मिश्र ने बहस की।

याची अधिवक्ता का कहना था कि याची का नाम प्राथमिकी में नहीं था। सह अभियुक्त अंशुमान दूबे के बयान के आधार पर जोड़ा गया है। अंशुमान दूबे कोटक महेन्द्रा बैंक के सर्विस डिलेवरी अधिकारी थे। बैंक आफ बड़ौदा करेन्सी चेस्ट में पैसा जमा करने की ड्यूटी थी। पैसा जमा न कर गबन कर लिया गया। अंशुमान दूबे को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके बयान के आधार पर याची को 11 अप्रैल 20 को 50 रुपए के साथ घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। याची का कहना है कि उसने अंशुमान दूबे से सितम्बर 19 में 5 लाख रुपए लोन लिया था और वह लोन राशि जनवरी 20 में वापस कर दिया। उसका कोटक महेन्द्रा बैंक से कोई सम्बंध नहीं है। इससे पहले याची किसी भी आपराधिक मामले में लिप्त नहीं रहा है। सरकारी वकील ने विरोध किया और कहा कि गबन षड्यंत्र में याची भी शामिल है। किन्तु कोर्ट ने कहा याची जमानत पर रिहा होने का हकदार है।

माता-पिता, पत्नी और बेटी भी कोरोना पॉजिटिव

लोगों की कोरोना जांच करते चिकित्सक

शंकरगढ़। नगर पंचायत शंकरगढ़ में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को जहां एक युवक पॉजिटिव मिला था, वहीं शुक्रवार को उसका पूरा परिवार ही कोरोना संक्रमित पाया गया है।शुक्रवार को युवक के परिवार के लोगों की जांच हुई, जिसमें उसकी मां, पिता, पत्नी और उसकी ढाई साल की बच्ची भी पॉजिटिव पाई गई। सीएचसी शंकरगढ़ के अधीक्षक डॉ शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि सीएचसी में एंटीजेन किट से प्रतिदिन जांच की जा रही है। गुरुवार को कस्बे के मोदी नगर मोहल्ले के रहने वाला एक युवक राकेश कुमार कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। बताया कि शुक्रवार को सीएचसी में 47 लोगों की जांच एंटीजेन किट से हुई, जिसमें पांच लोग पॉजिटिव निकले। इसमें पहले से कोरोना संक्रमित राकेश के पिता दीनानाथ 53 साल, मां गुड्डी देवी 50 साल, पत्नी गायत्री देवी 25 साल और एक बेटी वैष्णवी 2 साल पॉजिटिव पाई गई। इसके अलावा कस्बे के हज्जी टोला का विवेक 20 साल भी पॉजिटिव पाया गया है। फिलहाल कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर पंचायत शंकरगढ़ इसे लेकर खासा संवेदनशील बना हुआ है। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि सभी लोगों का इलाज शुरू कर दिया गया है।

एस.आर.पी. इंटर कालेज के प्रधानाचार्य नें छात्रों एवम ग्रामीणों में चलाये सफाई जागरुकता अभियान

करमा । सफाई चाहें शरीर की हों या मन, पर्यावरण किसी भी क्षेत्र में साफ सुथरा रहना हमेशा अच्छे व्यक्तित्व की पहचानों में से एक होती हैं उक्त बातें सहलोलवा स्थित श्री सेठ राम अभिलाष इंटर कालेज के प्रधानाचार्य शिव रतन सिंह गुरुवार कों क्षेत्र के तेंवरिया, कपूर का पूरा, तरौल, गोंदाही आदि गाँवों का भ्रमण कर छात्रों एवम ग्रामीणों में सफाई के प्रति जागरूक किये आगे उन्होने यह भी कहा कि कोरोना महामारी पर लोगों कों मास्क पहनने एवम दो गज की दूरी के महत्व कों भी समझायें ।

पुलिस ने लापता बालक को परिजनों को सौंपा

लापता बालक को उनके परिजनों को सौंपती पुलिस

नैनी । कोतवाली क्षेत्र स्थित पीडीए कालोनी के रहने वाले एक 10 वर्षीय बालक बीती रात अचानक घर से लापता हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस टीम सक्रिय हुई और महज कुछ घंटों के अंदर ही उसे बरामद करते हुए परिजनों को सुरक्षित सौंप दिए। जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के पीडीए कॉलोनी स्थित महर्षि चौराहे के समीप कमरा किराए पर रहने वाले महेश कुमार के 10 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार गुरुवार देर रात अचानक घर से लापता हो गया। परिजनों ने इसकी सूचना नैनी कोतवाली पुलिस को दी। इंस्पेक्टर राजकिशोर, एसआई दौलत यादव ने हेड कांस्टेबल सुरेंद्र कुमार अजीत कुमार और महिला कांस्टेबल पूजा गौतम व सोनिया गौतम को साथ लेकर लापता हुए बच्चे की खोजबीन करने में जुट गए। पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद अगले दिन शुक्रवार भोर लगभग 5:00 बजे लापता बालक नैनी कोतवाली क्षेत्र के मेवालाल की बगिया तिराहे के समीप बरामद कर लिए। सूचना मिलने पर लापता बालक के परिजन नैनी कोतवाली पर पहुंचे और बच्चे को सुरक्षित देख परिजनों के आंखों से आंसू बहने लगे। वहीं पुलिस ने कागजी कोरम को पूरा करते हुए बरामद बच्चे को परिजनों को सुरक्षित सौंप दिए।

संगठन सृजन के लिए काग्रेसियों ने की बैठक

करछना। शुक्रवार को काग्रेस कमेटी करछना की एक सगठन सृजन अभियान के अंतर्गत एक बैठक आहूत की गईएबैठक मे प्रदेश काग्रेस कमेटी के सचिव औ? प्रयागराज प्रभारी सुशील ने कहा कि सगठन के निर्माण प्रत्येक ब्लाक कमेटी मे 25 पदाधिकारियो को चयन किया जाएगा।न्याय पंचायत और ग्राम सभा के कमेटी का गठन किया जाना है संगठन को मजबूत करके उत्तर प्रदेश की जनता के सामने मजबूत राजनैतिक विकल्प बनना है।

आग लगने से कैशवैन जलकर खाक, मचा हड़कंप

लाखों रूपये लेकर प्रयागराज आ रही थी कैशवैन

आग लगने से जलकर खाक कैश वैन

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के जायसवाल नगर के समीप शुक्रवार दोपहर को एक कैश वैन में आग लग गई। जिससे वाहन जलकर खाक हो गई । हालांकि कर्मचारियों ने कैश वैन में मौजूद पैसे को सुरक्षित बचाने में कामयाब रहे।

जानकारी के मुताबिक मिजार्पुर जिले से प्रयागराज शहर की ओर शुक्रवार दोपहर में एक कैश वैन में लाखों रुपए लेकर आ रही थी। बताया जाता है कि जैसे ही औद्योगिक क्षेत्र के जायसवाल नगर के समीप चालक ने वाहन लेकर पहुंचा तभी अचानक चिंगारी निकलने लगी। उसमें मौजूद सभी लोग दंग रह गए और आनन-फानन में उन्होंने कैश वैन से समस्त पैसों को सुरक्षित निकाल लिया और चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को सड़क के किनारे खड़ी कर दी। देखते ही देखते कैश वैन आग की लपटों से घिर गई और जब तक वाहन को लोग बचा पाते, वह जलकर खाक हो गई। इस संबंध में इंस्पेक्टर औधोगिक क्षेत्र चंद्रभान सिंह ने बताया कि पैसे सुरक्षित बचा लिए गए हैं।

मेरे जीवन में राष्ट्र प्रेम एवम मानवता का स्थान सर्वोपरि : जमील अहमद

करमा । मुल्क की हिफाजत एवम आपसी भाईचारे का संकल्प हर भारतीय नागरिक के मन में होना चाहिए किसी भी व्यक्ति कों जाति, धर्म, भाषा एवम क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर राष्ट्र की एकता, अखंडता पर विशेष ध्यान देना चाहिए उक्त बातें वरिष्ठ समाजसेवी एवम सदस्य जिला पंचायत प्रयागराज जमील अहमद नें शुक्रवार कों यमुनापार के विभिन्न सामाजिक व्यक्तियों से वर्चुअल बैठक में अपने विचारों कों व्यक्त किये । श्री जमील अहमद वर्तमान समय शंकरगढ़ ब्लाक के प्रथम वार्ड से जिला पंचायत सदस्य हैं किन्तु करमा सहित यमुनापार के विभिन्न हिस्सों में पिछले दस वर्ष समाज की सेवा में सक्रिय हैं श्री अहमद का मानना हैं कि मेरे जीवन में राष्ट्र एवम इंसानियत का दर्जा प्रथम स्थान पर हैं ।

लाखों की चाय की पत्ती बेच कर भागे कंटेनर चालक, सहयोगी सहित तीन गिरफ्तार

मऊआइमा। लाखों रुपये की चाय की पत्ती कंटेनर पर लाद कर उसे गन्तव्य तक न पहुंचा कर रास्ते में ही बेच कर कंटेनर छोड कर भाग कर घर आ गए । जिन्हें महाराष्ट्र की मऊआइमा पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार कर महाराष्ट्र की पुलिस के हवाले कर दिया । जिसे महाराष्ट्र की पुलिस लेकर रवाना हो गई है । प्राप्त जानका के अनुसार महाराष्ट्र के कुर्ला इलाके से एक माह पूर्व एक कंटेनर चाय की पत्ती जिसका मूल्य 48 लाख बताया गया है।कंटेनर चालक मऊआइमा के ग्राम अलावलपुर निवासी मोहम्मद महफूज पुत्र अब्दुल हई तथा सहयोगी प्रतापगढ़ के थाना मान्धाता के ग्राम रामपुर गुणुरुआ के जफरुल हसन पुत्र बसीर हसन एंव सिध्दार्थ नगर के अजीज मलिक पुत्र मुख्तार मलिक को महाराष्ट्र के मुंबई के कुर्ला से आए दरोगा अशीष मारुकी तथा हमराही पुलिस कर्मियों और मऊआइमा के सब इंस्पेक्टर संदीप यादव हमराही पुलिसकर्मियों के साथ मुखबिर की सूचना पर तीनों को मऊआइमा के ग्राम अलावलपुर से दबोच कर मऊआइमा थाने लाकर पूछताछ की तो तीनों ने बताया कि वह चाय की पत्तीयाँ का पैकेट को महाराष्ट्र क्षेत्र में 48 लाख में बेच कर कंटेनर वहीं छोड कर भाग आए । महाराष्ट्र की पुलिस तीनों शातिरों मोहम्मद महफूज, जफरुल हसन, अजीज मलिक को गिरफ्तार कर महाराष्ट्र लेकर चली गई ।

कोरोना से चार की मौत 293 नए संक्रमित मिले

प्रयागराज। युवक समेत चार कोरोना संक्रमितों की मौत हो गई। सभी एसआरएन अस्पताल में भर्ती थे। मरने वालों में तीन लोग जिले के रहने वाले थे। एक बुजुर्ग जौनपुर का था। वहीं, गुरुवार को जिले में 293 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। संक्रमित मरीजों में बीएसए कार्यालय का एक स्टाफ भी शामिल है।

एसआरएन अस्पताल के कोरोना नोडल डॉ. सुजीत कुमार वर्मा ने बताया कि बहरिया का रहने वाला 25 वर्षीय युवक कोरोना संक्रमित था। 17 अगस्त को भर्ती हुआ था। उसे कोरोना के साथ सेप्टीसीमिया की समस्या था। गुरुवार को दिन में उसकी आंत फट गई। इससे दिन में साढ़े 11 बजे उसकी मौत हो गई। मुंडेरा का रहने वाला 60 वर्षीय बुजुर्ग 15 अगस्त को भर्ती हुआ था। उसे बीपी के साथ किडनी में समस्या थी। गुरुवार को दिन में दो बजे उसने दम तोड़ दिया।

इसी तरह, मऊआइमा की रहने वाली 66 वर्षीय बुजुर्ग महिला 18 अगस्त को एसआरएन अस्पताल में भर्ती हुई थी। उसे निमोनिया की शिकायत भी थी। शाम छह बजे महिला ने दम तोड़ दिया। इसके अलावा मरने वालों में एक जौनपुर का बुजुर्ग है। 65 वर्षीय बुजुर्ग 13 अगस्त को भर्ती हुआ था। बीपी की समस्या के साथ गुर्दे में बीमारी थी। सुबह नौ बजे उसने दम तोड़ दिया।

माफिया अतीक अहमद के साढू की खोली गई हिस्ट्रीशीट

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के करीब रिश्तेदार साढू की गुरुवार देर रात हिस्ट्रीशीट खोली गई। उक्त अपराधी के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में कुल 9 मुकदमे दर्ज हैं। पच्चीस हजार इनामी आई.एस.227गैंग का सक्रिय सदस्य है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अधीक्षक अभिषेक दीक्षित के निर्देश पर खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के 207चकिया मोहल्ला निवासी मोहम्मद जीशान उर्फ जानू पुत्र मोहम्मद जई पूर्व सांसद अतीक अहमद का करीबी रिश्तेदार साढू है। एस.एस.पी.कार्यालय से आज जारी की गई सूचना के मुताबिक भू माफिया अतीक के साढू शहर के अन्दर और बाहर दूसरों की जमीन हड़पकर धन कमाने का जरिया बना चुका है। इसके खिलाफ नगर के कैन्ट, धूमनगंज, करेली और खुल्दाबाद में कुल नौ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गुरुवार की देर रात पुलिस ने सफलता पूर्वक हिस्ट्रीशीट एच.एस.बी.-5 खोल दिया।

काश्तकार की जमीन नापने में की जा रही है हेरा फेरी

कौधियारा। करछना तहसील प्रशासन द्वारा न्यायालय के आदेश के विपरीत काश्तकार की जमीन नापने में की जा रही है हेरा फेरी राजस्व कर्मियों के निर्देश पर कौंधियारा पुलिस द्वारा काश्त कार की पिटाई कर जबरन हटाया जा रहा कब्जा।

करछना तहसील के ग्राम पंचायत कौंधियारा मे 427 नंबर आबादी की जमीन जिसका रकबा 5 विस्वा अपर सिविल जज प्रयागराज द्वारा 2008 एवं अपर जिला जज प्रयागराज द्वारा 19 81 मे सिरताजी देवी व अमरजीत कुशवाहा के पक्ष में डिग्री दी गई है साथ ही अवैध कब्जेदारो लाल चंद कुशवाहा रामकृष्ण कुशवाहा व पुष्पेंद्र का कब्जा तत्काल प्रभाव से हटाने का भी आदेश दिया गया है इसके बावजूद उक्त जमीन पर से अवैध कब्जेधारों का कब्जा हटाना तो दूर तहसील प्रशासन की मिलीभगत से कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करते हुए भुक्तभोगी की जमीन पर तहसील प्रशासन द्वारा अवैध कब्जा कराया जा रहा है भुक्तभोगी द्वारा आदेशों को दिखाने पर न्यायालय की अवमानना करते हुए न्यायालय के आदेशों को रद्दी की टोकरी में फेंक दिया गया भुक्तभोगी द्वारा कोर्ट के आदेशों का अनुपालन न करने पर इजरा तो दाखिल किया गया है लेकिन कोरोना काल में न्यायालय बंद होने के कारण तहसील प्रशासन भुक्तभोगी को परेशान कर रहा है वहीं भुक्तभोगी अमरजीत कुशवाहा को कौंधियारा पुलिस द्वारा भी सप्ताह पूर्व मारपीट कर 151 में चालान किया गया । भुक्तभोगी द्वारा जिलाधिकारी प्रयागराज उप जिला अधिकारी करछना वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को शिकायती पत्र देकर न्याय की मांग की गई।

दस्तावेज खंगालते राजस्वकर्मी

घर में घुस कर मार पीट छेड़खानी ,आधा दर्जन पर केस दर्ज

मऊआइमा। मामूली बात को लेकर पडोसी घर में घुस कर तोड फोड किए तथा महिलाओं के साथ छेडखानी और कपडे फाड डाले। पुलिस ने आधा दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बालाडीह निवासी एक व्यक्ति का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर मामूली कहासुनी पर पडोसी घर में घुस कर तोड फोड किए ।विरोध पर मारे पीटे तथा महिलाओं के साथ छेडखानी किए और कपडे फाड दिए । पुलिस ने राज बहादुर,गोलू, अजय, अनिल, सुशील कुमार, सुनील के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है ।तथा मामले की जांच कर रही है ।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

लाइंस क्लब गौरव का सावन क्वीन कॉन्टेस्ट संपन्न

प्रयागराज। शुक्रवार को लायंस क्लब, "गौरव" प्रयागराज द्वारा क्लब से जुड़ी सभी "लायनेस" महिलाओं के लिए ऑनलाइन सावन क्वीन कन्टेस्ट 2020 का आयोजन किया गया । जिसमें सभी लायनेस बड़ी शिद्दत के साथ भाग लिया । इस कॉन्टेस्ट का मुख्य उद्देश्य क्लब की सभी महिलाओं को पूर्ण रूप से स्वस्थ, समृद्ध और अवसाद रहित बनाना था । इस प्रतियोगिता में जज के रूप में लायन ईरा सेठी (लायंस क्लब संगम) तथा लायन प्रिया नारायन (लायन्स क्लब क्लासिक) ने अपना निर्णय सुनाया ' जिसमें प्रथम विजेता लायन अल्पना वर्मा, द्वितीय विजेता लायन रेखा तिवारी एवं तृतीय विजेता के रूप में डॉ० शशी बाला को घोषित किया गया है । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ०. इशन्या राज, सुधा गुप्ता तथा क्लब के अनेक सदस्यों ने अपना पूरा समर्पण के साथ सहयोग दिया। विजेता को क्लब की तरफ से स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर प अध्यक्ष लायन डॉ. वी.के. मिश्रा, सचिव सन्त कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष लायन रवि भूषण गुप्ता , डॉ आर के सिंह श्री नागेंद्र सिंह सहित क्लब के अनेक पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित रहे ' इस अवसर पर विजई प्रतिभागियों को डॉ. वी. के. मिश्रा, डॉ आर. के. सिंह, मातृ - स्नेह फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं संरक्षक श्री नागेंद्र सिंह, रवि भूषण गुप्ता सहित सहित अनेक लोगों ने शुभकामनाएं दी ।

फ्लाईओवर के नीचे मिट्टी का टीला ढहा दबने से ठेकेदार की मौत, तीन जख्मी

फ्लाईओवर के नीचे दीवार बनाने के लिए खोदा जा रहा था गड्ढा

मिट्टी का टीला ढहने के बाद उसमें दबे लोगो को निकालते मजदूर व जुटी भीड़

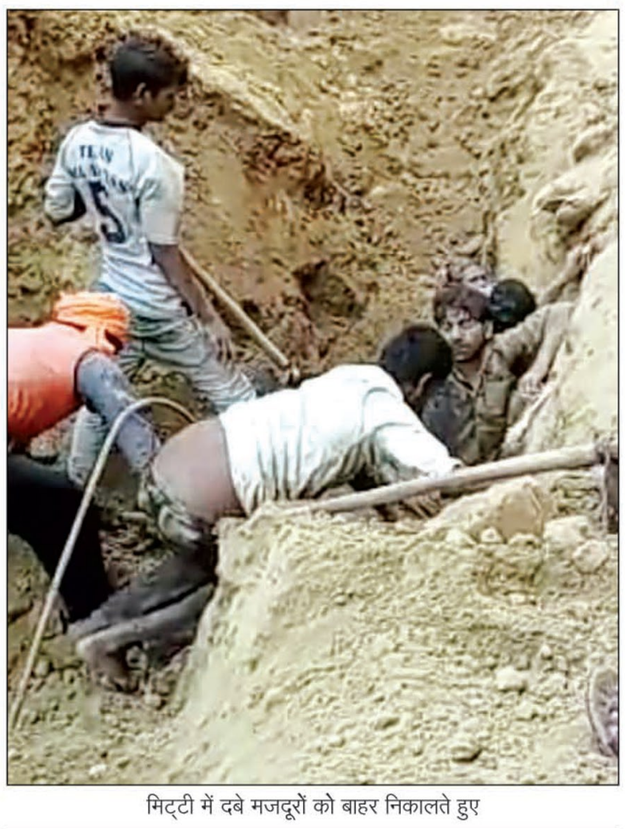

मिट्टी में दबे मजदूरों को बाहर निकालते हुए

मिट्टी में दबे घायल मजदूरों को अस्पताल ले जाते मजदूर

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के इरादतगंज फ्लाईओवर के नीचे गड्ढा खोदने के दौरान शुक्रवार को हादसा हो गया। मिट्टी का टीला ढहने से ठेकेदार समेत आधा दर्जन मजदूर मलबे में दब गए। चीख-पुकार मचने पर बचाव कार्य शुरू हुआ। इस बीच सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी दबे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में ठेकेदार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो सगे भाई बाल-बाल बच गए जबकि अन्य घायलों को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। घूरपुर थाना क्षेत्र के इरादतगंज फ्लाईओवर के नीचे दीवार बनाने के लिए शुक्रवार को गड्ढा खोदा जा रहा था। इस कार्य में जेसीबी भी लगी है। गड्ढा खोदने का कार्य हाईवे की ओर से किया जा रहा है। गड्ढा खोदने का कार्य चल ही रहा था कि अचानक दोपहर करीब साढ़े तीन बजे के दौरान मिट्टी का टीला ढह गया। इस दौरान वहां काम कर रहे मजदूरों के साथ ही ठेकेदार भी मौजूद था। सभी टीले के मलबे में दब गए।

मृतक ठेकेदार और जख?मी मजदूर कन?नौज जनपद के निवासी

हादसे को देख वहां मौजूद अन?य मजदूरों के साथ आसपास के रहने वाले लोग बचाव कार्य को पहुंचे। इसी बीच सूचना पाकर घूरपुर थाने की फोर्स भी पहुंच गई। किसी प्रकार मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया। हालांकि तब तक ठेकेदार राम नेवाज 40 पुत्र बहादुर की मौत हो चुकी थी। वह कन?नौज जिला के सौरिख थाना इलाके के सहरोई गांव का निवासी था। वहीं इसी गांव के रहने वाले हिमांशु 22 वर्ष सुरजीत 25 वर्ष पिता का नाम जय वीर बाल-बाल बच गए। दोनों सगे भाई हैं। तीन मजदूर जेंटर 24 पुत्र बलवीर, मंजे 26 और अमित 21 पुत्र अरविंद हैं। यह सब भी उसी गांव के रहने वाले हैं। इनमें एक की हालत गंभीर बताई जाती है। सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर की मध्यस्थता से विवाद खत्म

- किन्नरों के दोनों गुट में अखाड़े को मजबूत करने का हुआ समझौता

समझौता होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए

प्रयागराज। किन्नर अखाडे. के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के हस्तक्षेप से प्रयागराज में किन्नरों के दो गुट नंदनी गुरू और छोटी गुरू के बीच इलाके के बंटवारे को लेकर चल रहा विवाद अब खत्म हो गया है। यह बैठक किन्नर अखाड़ा प्रयागराज की महामण्डलेश्वर स्वामी कौशल्या नंद गिरि के बैरहाना स्थित आवास पर हुई थी।

किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी सहित कई किन्नर गुरू बैठक में शामिल हुए। दोनों गुटों में लंबे समय से इलाके के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इस दौरान दोनों गुटों में कई बार विवाद और मारपीट के बाद एफआईआर हो गयी थी। यह विवाद अब आपसी समझौता और लिखा पढ़ी के बाद खत्म हो गया है। समझौते की प्रति एसएसपी अभिषेक दीक्षित सहित अन्य पुलिस अधिकारियों को दे दी गयी है। तय किया गया है कोई एक-दूसरे के इलाके में नहीं जायेगा और न ही कोई विवाद करेगा। बल्कि दोनों गुट एक होकर किन्नर अखाड़ा को मजबूत करेंगे और आगे बढेंगे। आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा हम सब एक हैं, एक दूसरे के सहयोग के लिये बने हैं, न कि किसी विवाद के लिये। अब सभी मिलकर किन्नर अखाड़ा को मजबूत करते हुए आगे बढेंगे। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने हमें मानव योनि में कुछ अच्छा करने के लिये पैदा किया है। अगर किसी बात को लेकर मतभेद या मनभेद है तो उसको बैठकर सुलझायेंगे और आगे बढेंगे लेकिन विवाद को चैराहे पर नहीं ले जायेंगे।

इस दौरान किन्नर गुरूओं के समक्ष दोनों गुटों में समझौते की लिखा पढ़ी हुई। बैठक में किन्नर अखाड़ा की प्रयागराज महामण्डलेश्वर स्वामी कौशल्या नंद गिरि, बब्बू नायक, सलमा गुरु, सोनी गुरू, बबली नायक, तराना गुरू, उर्मिला गुरू सहित गोरखपुर, वाराणसी, मछलीशहर और जौनपुर के किन्नर गुरू बैठक में शामिल हुए।

सरकारी सस्ता गल्ला दुकान संचालक की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कालाबाजारी के आरोपी बागपत के बरौत थाना क्षेत्र निवासी सरकारी गल्ले की दुकान चलाने वाले सुधीर कुमार की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। सुधीर कुमार के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम और महामारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। कोर्ट ने याची दुकानदार को विवेचना में सहयोग करने का निर्देश दिया है। सुधीर नें मुकदमे की कार्यवाही रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका पर न्यायमूर्ति मनोज मिश्र और न्यायमूर्ति समित गोपाल की पीठ ने सुनवाई की। याची के अधिवक्ता इंद्रमणि त्रिपाठी का कहना था कि याची पर आरोप है कि उसकी दुकान में अतिरिक्त सामान पाया गया। मगर कालाबाजारी का कोई आरोप नहीं है। याची ने स्थानीय प्रशासन की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया था। इससे नाराज होकर प्रशासन ने झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। उसके खिलाफ कोई अपराध नहीं बनता है। कोर्ट ने प्रदेश सरकार को इस मामले में नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है तथा पुलिस रिपोर्ट दाखिल होने तक याची को गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट बार ने कहा कि सरकार प्रयागराज के साथ भेदभाव करना बंद करे

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार को चेतावनी दी है कि वह प्रयागराज के साथ भेदभाव करना बंद कर दे। बार एसोसिएशन का आरोप है कि अधिकारियों के दबाव और गलत मशविरे के कारण सरकार प्रयागराज की तमाम महत्वपूर्ण संस्थाओं को न सिर्फ यहां से हटाकर इसके इतिहास के साथ नाइंसाफी कर रही है, अपितु वर्तमान भी बिगाड़ रही है। संपत्ति क्षति दावा अधिकारण की पीठें लखनऊ और मेरठ में बनाने के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बार एसोसिएशन ने शुक्रवार को एक बैठक बुलाई। बैठक में इस बात की सराहना की गई कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकरण प्रयागराज में नहीं बनाने का विरोध किया है। वक्ताओं ने कहा कि सरकार अधिकारियों के दबाव में है और उनकी गलत सलाह के कारण लगातार गलत निर्णय ले रही है। बार ने चेतावनी दी कि यह भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि अधिकरण को लेकर पूर्व में जारी आदेशों को निरस्त कर नए सिरे से निर्णय लिया जाए। अधिकरण का पूरा अधिकार क्षेत्र प्रयागराज को देने की अधिसूचना जारी की जाए। बैठक में बार के अध्यक्ष अमरेंद्र नाथ सिंह और महासचिव प्रभाशंकर मिश्र दोनों के शीघ्र स्वस्थ्य होने की भी कामना की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष जमील अहमद आजमी ने तथा संचालन संयुक्त सचिव प्रशासन अभिषेक शुक्ल ने किया। इसमें उपाध्यक्ष अजय कुमार मिश्र जयहिंद, अनिल पाठक, रजनीकांत राय, केके मिश्र, अंजू श्रीवास्तव, दिलीप कुमार पांडेय, राजेंद्र कुमार सिंह, मंजू कुमारी, दुर्गेश चंद्र तिवारी सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य मौजूद थे।

हाईकोर्ट में 24 अगस्त से वकीलों को कोर्ट में बहस की मिली अनुमति

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने शुक्रवार को आदेश जारी कर कहा है कि 24 अगस्त से हाईकोर्ट में वकील शारीरिक रूप से उपस्थित होकर होकर कोर्ट में बहस कर सकेंगे। अभी विगत लगभग दो सप्ताह से कोर्ट में वकीलों को हाजिर होकर बहस करने की छूट नहीं थीं। यह निर्णय प्रयागराज शहर में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए लिया गया था। यही नहीं चीफ जस्टिस द्वारा आज जारी आदेश में यह भी निर्णय लिया गया है कि मुकदमों का दाखिला भी वकील मैनुअल कर सकेंगे, परन्तु साथ ही साथ वकीलों को ई-फाइलिग से केस दाखिल करने की छूट जारी रहेगी। निर्णय में यह भी कहा गया है कि वकील शारीरिक रूप से उपस्थित होकर कोर्ट में बहस कर सकेंगे, परन्तु यदि कोई वकील वीडियो कांफ्रेंसिंग से सुनवाई की मांग करेगा तो उसे भी ऐसा करने की छूट जारी रहेगी। मालूम हो कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में लगातार इधर अर्जेन्ट केसों की ही सुनवाई हो पा रही थी। इसके लिए वकीलों को अजेर्सी की अर्जी कोर्ट में लगानी पड़ रही थी। अर्जी स्वीकार होने के बाद चीफ जस्टिस द्वारा नामित पीठ ऐसे मुकदमों की सुनवाई कर रही थी। इस व्यवस्था के चलते आम मुकदमों की सुनवाई नहीं हो पा रही थी। मुकदमों की सुनवाई न हो सकने से परेशान वकीलों ने मांग की थी कि कोर्ट में शारीरिक रूप से उपस्थित होकर मुकदमों की सुनवाई की व्यवस्था शुरू की जाय।

स्लम के बच्चों ने दिया इको फ्रेंडली गणपति पूजन का संदेश

प्रयागराज। विशाल संकल्प संस्था ने गणेश चतुर्थी पर वर्कशॉप आयोजित की जिसमे स्लम में रहने वाले बच्चों ने मिट्टी के गणपति बनाये। अंजलि विशाल ने,बताया कि अपनी श्रद्धा और पर्यावरण का माध्यम बन सकता है गणपति पूजन। बच्चों को मिट्टी के गणपति बनाना सिखाया गया साथ मे प्रत्येक मूर्ति में बच्चों ने बीज भी डाल दिये , जिससे अपने घर पर गमले में ही गणपति विसर्जन कर देगे और प्रसाद में एक पौधा पायेगे। संस्था का उद्देश्य इस बहाने बच्चों को पर्यावरण व स्वच्छता का संदेश देना था। आज बच्चों ने ना सिर्फ मूर्ति बनायी बल्कि अपने2 घर पर उसकी स्थापना भी की। बस्ती में उनके माता पिता भी बच्चों में बदलाव देख कर खुश थे। संस्था अपने कार्यक्रम (महकने दो)के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास कर रही है।जिससे सैकड़ो बच्चों का जीवन संवर रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे माल ढुलाई में तलाश रहा नए अवसर

- लोड ट्रैफिक के लिए लिबरलाइज्ड ऑटोमेटिक फ्रेट रिबेट लागू

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने अगस्त 2019 के 7.6 लाख टन की तुलना में 20 अगस्त तक 7.8 लाख टन माल लदान का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। इस गति को आगे भी बनाए रखने के साथ-साथ माल लदान में नए अवसरों की तलाश के लिए महाप्रबंधक राजीव चैधरी ने प्रयागराज, झांसी और आगरा मंडल और उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के बीडीयू के साथ शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की।

उन्होंने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे में अप्रैल से जुलाई 2020 तक 505.80 करोड़ रुपये का माल ढुलाई आय हासिल करने में मदद मिली। यह राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि में 30.54 करोड़ अधिक है। उत्तर मध्य रेलवे ने पारंपरिक वस्तुओं के परिवहन में हिस्सेदारी बढ़ाने और 2024 तक माल परिवहन को दोगुना करने के लिए गैर थोक वस्तुओं के परिवहन में अपना हिस्सा बढ़ाने के उद्देश्य से बिजनेस डेवलेपमेंट यूनिटों के गठन, माल शेड में सुधार, माल ढुलाई से संबंधित सभी प्रोत्साहनों को लागू करने, मालगाड़ियों की औसत गति दोगुना करने आदि जैसे कदम उठाए हैं।

महाप्रबंधक ने बताया कि पार्सल यातायात बढ़ाने के लिए नई दिल्ली-हावड़ा, नई दिल्ली-मुम्बई-चेन्नई मार्गों पर चलने वाली समय-सारणी पार्सल ट्रेनों को मथुरा, ग्वालियर और अलीगढ़ स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव दिया गया है। प्रयागराज छिवकी स्टेशन को आवक पार्सल के लिए खोला गया और ह्लकिसान रेलह्व द्वारा फल और सब्जियों के परिवहन में आसानी के लिए मानिकपुर और प्रयागराज छिवकी स्टेशनों पर ठहराव प्रदान किया गया है। कानपुर, प्रयागराज और मिजार्पुर स्टेशनों से पार्सल परिवहन में आसानी के लिए एक उच्च क्षमता वाली पार्सल वैन कानपुर-हावड़ा के मध्य स्पेशल ट्रेन नंबर 02308 में जोड़ी गई है। लीज्ड पार्सल सेवा पहले से ही 14 ट्रेनों में मौजूद है और इन ट्रेनों की पुनः संचालन के प्रारंभ होने की तारीख से इनका परिचालन होगा और यह सेवा प्रयागराज जंक्शन-नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस और कानपुर-दुर्ग बेतवा एक्सप्रेस में भी विस्तारित की जा रही है।

अंत में श्री चौधरी ने कहा कि उमरे माल ढुलाई में प्रोत्साहन योजनाओं को लागू करने में हमेशा सक्रिय रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए पारंपरिक खाली प्रवाह दिशा में लोड किए गए ट्रैफिक के लिए नई लिबरलाइज्ड ऑटोमैटिक माल भाड़ा रिबेट को 20 अगस्त से लागू किया गया है। यह सुविधा 31 मार्च तक वैध रहेगी।

प्रयागराज में लगातार बढ़ रहा गंगा यमुना का जलस्तर

- गंगा-यमुना का जलस्तर 24 घंटे में नैनी और छतनाग में 40 सेंमी बढ़ गया
- दो लाख क्यूसेक पानी प्रयागराज पहुंचा है। किनारे बसे झुग्गी झोपड़ी वालों को हटाया गया

प्रयागराज, जेएनएन। प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ ही रहा है। अब कानपुर बैराज से दो दिन पहले छोड़ा गया दो लाख क्यूसक पानी शुक्रवार को यहां पहुंचा तो गंगा-यमुना के बढ? की रफ्तार और तेज हो गई। सरस्वती घाट और बलुआघाट स्थित बारादरी की सीढि?ां पानी में डूब गई हैं। तेजी से बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बाढ़ राहत दल की सभी इकाइयों को सक्रिय कर दिया गया है। पिछले 24 घंटे में नैनी और छतनाग में 40 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है। वहीं प्रशासन की टीम ने कई इलाकों का निरीक्षण किया और किनारे बसे पांच स?थानों से झुग्गी झोपड़ी वालों को हटाया।

24 घंटे के भीतर नैनी और छतनाग में 40 और फाफामऊ में 12 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। गंगा और यमुना नदियों के कछारी इलाकों के साथ निचले क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा भी उत्पन्न हो गया है। संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से यमुना नदी के किनारे पांच जगहों पर झुग्गी और झोपड़ी बनाकर रहने वालों को हटाया गया। बाढ़ राहत दल पीएसी के जवानों ने बलुआघाट, बोट क्लब, बालू मंडी, करैलाबाग में झुग्गी झोपड़ी लगाकर रहने वालों को हटाया। साथ ही तटीय इलाकों का निरीक्षण कर यहां रहने वाले लोगों को अपना-अपना सामान समेटकर अलर्ट रहने को कहा गया है।

- 24 घंटे में नैनी और छतनाग में 40 सेंटीमीटर बढ़ा पानी
- 02 लाख क्यूसेक पानी पहुंचा प्रयागराज
- 05 जगहों पर झुग्गी झोपड़ी वालों को हटाया गया।

एनडीआरएफ की टीम ने लोगों को किया सचेत

एनडीआरएफ की टीम ने सलोरी, छोटा बघाड़ा और राजापुर, बेली कछार का दौरा कर यहां रहने वाले लोगों से बातचीत की और सतर्क रहने को कहा। सिंचाई विभाग बाढ़ प्रखंड के अधिशासी अभियंता बृजेश कुमार ने बताया कि पहाड़ों पर हो रही जबरदस्त बारिश से अब बाढ़ का खतरा बढ़ता दिख रहा है। लगातार कानपुर बैराज से पानी छोड़ा जा रहा है।

क्रियायोग सन्देश

प्रयागराज रविवार 22 अगस्त, 2020

अणु परमाणु परमात्मा का सिंहासन

अणु परमाणु माया का स्वरूप है और यह स्वरूप परमात्मा से प्रकट हुआ है। परमात्मा स्वयं माया के रूप में प्रकट होकर माया को सिंहासन के रूप में प्रयोग करते हैं।

परमाणु में सतत ध्यान केंद्रित करने पर परमात्मा की उपस्थिति अनुभव होती है। मनुश्य के लिए और परमाणुओं का निकटतम समूह उसका स्वयं का दृष्य रूप है, जिससे षरीर कहते हैं। षरीर में मन को केंद्रित करने पर जब षरीर और मन के बीच दूरी षून्य हो जाती है तो षरीर के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान होता है। अदृष्य परमात्मा स्वयं षरीर के रूप में प्रकट हो रहे हैं, जिस षरीर को हम हाड मांस कहते हैं वह सर्वज्ञ, सर्वषक्तिमान, अमर तत्व है जिसका कभी विनाष नहीं होता है केवल रूप बदलता है।

जिस प्रकार अंडे के अंदर जीव जंतु व बीज में पेड़ छिपा होता है, उसी तरह मानव के दृष्य स्वरूप में पूरा ब्रह्माण्ड का रूप छिपा रहता है। क्रियायोग विज्ञान को पूर्ण रूप में बोले व लिखे गए षब्दों अथवा चित्र के माध्यम से समझना व समझना संभव नहीं है, इसे ठीक तरह समझने के लिए क्रियायोग ध्यान करना आवष्यक है।

जिस प्रकार अंडे के अंदर जीव जंतु व बीज में पेड़ छिपा होता है, उसी तरह मानव के दृष्य स्वरूप में पूरा ब्रह्माण्ड का रूप छिपा रहता है

क्रियायोग ध्यान में निर्विकल्प समाधि लगने पर मेडुला में कूटस्थ का दर्षन होता है, जो परमात्मा का सर्वव्यापी अस्तित्व है। इस ज्ञान की अनुभूति होने पर मनुश्य जब तक चाहे तब तक षरीर के दृष्य रूप को बनाएं रख सकता है।

Atoms and Molecules are Throne of Spirit, The Creator

As understood by disciple during Kriyayoga session of Kriyayoga Master & Scientist - Guruji Swami Shree Yogi Satyam

Atoms and molecules are structures of Maya which are manifestations of God (Omnipresent Spirit). God has manifested in the form of atoms and molecules which serve as a throne for The Omnipresent Spirit – The Creator.

By placing concentration on our own physical structure of atoms and molecules, we are able to perceive the presence of God. Closest to oneself is one's own congregation of atoms and molecules - the body structure of head to toes. When concentration of mind is placed on our structure of head to toes, then the distance between body and mind reduces and we realize True Knowledge about our existence. The structure that we are - our head to toes, which we refer to as bones and muscles, is in fact manifestation of Omniscient, Omnipotent, Immortal element which can never be destroyed. Only it's form changes.

Just like there is a living organism in an egg, and tree hidden in a seed, in the same way, in our body structure, the Infinite Cosmos is hidden.

With the practice of Kriyayoga, one is able to realize this Infinite form of the body structure. The Science of Kriyayoga cannot be explained completely through spoken or written words, or through visual drawings. The best way that we can know about Kriyayoga is through it's practice.

Through the practice of Kriyayoga, when we attain the state of Nirvikalpa samadhi, we experience oneness with Kuthastha power in the medulla, which is the manifestation of God. By attaining knowledge of Kuthastha power, we can maintain our physical form till we want.

Just like there is a living organism in an egg,
and tree hidden in a seed,
in the same way, in our body structure,
the Infinite Cosmos is hidden.